

—: न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद :-

पीठासीन अधिकारी :- देवीलाल यादव (आर.ए.एस.)
राजस्व प्रकरण संख्या :- 28/2020

उनवान

1. इब्राहिम
2. महबूब
3. याकूब
4. रहमत
5. हबीब

6. सलीम पि. बहादुर समस्त जाति चीता निवासी ग्राम डूंगाजी का बाडिया, नसीराबाद
— वादीगण :- जरियें अधिवक्ता श्री सीताराम रावत

बनाम

राजस्थान सरकार जरियें तहसीलदार नसीराबाद
— प्रतिवादी :- जरियें राज. पैरोकार

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 व धारा 131 भू
राजस्व अधिनियम 1956

—: निर्णय :-

दिनांक :- 23/10/24



अधिवक्ता वादीगण ने उक्त आवेदन पत्र पेश कर निवेदन किया कि ग्राम डूंगाजी का बाडिया प.म. राजोसी में वादीगण की खातेदारी आजी स्थित है जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

वर्किंग खसरा नम्बर	रकबा	हाल खसरा नम्बर	रकबा
4172	6-15-0	5401	1.00
		5402	0.09
4169/1	24-17-0	5400	0.89
		5400/5669	0.01

उक्त आराजी वर्किंग खसरा नम्बर 4172 के हाल खसरा नम्बर 5401 व 5402 वादीगण की खातेदारी की है। वर्किंग खसरा नम्बर 1469/1 रकबा 24-17-0 के हाल खसरा नम्बर 5400, 5400/5669 चरागाह है। वादीगण अपनी खातेदारी आराजी पर काबिज काश्त चले आ रहे हैं। साबिक खसरा नम्बर 4172 में वादीगण का चाह भी स्थित है। बंदोबस्त विभाग ने हाल राजस्व अभिलेख में अपने अधिकारों से परे जाते हुये त्रुटिपूर्ण तरीके से हाल खसरा नम्बर 5400/5669 में चाह को अंकित कर दिया। अतः उक्त चाह को हाल खसरा नम्बर 5400/5669 रकबा 0.01 से हटा कर हाल खसरा नम्बर 5401 रकबा 1.00 व 5402 रकबा 0.09 में अंकन किया जावे। पुराने खसरा नम्बर 4172 के हाल खसरा नम्बर 5401, 5402, 5403, 5413, 5414, 5416 की पूर्व राजस्व नक्शा स्थित में परिवर्तित कर दक्षिण दिशा की गलत लाईन को दुरुस्त किया जावे।



Amx
उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद (अजमेर)

वाद पत्र दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। तहसीलदार नसीराबाद से प्रकरण में मौका रिपोर्ट तलब की गयी।

अधिवक्ता वादीगण ने वाद के समर्थन में राजस्व अभिलेख पेश किये व साक्ष्य नहीं पेश करना जाहिर किया।

बहस उभयपक्ष सुनी गयी।

पत्रावली का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्ता वादीगण व राज. पेरोकार की बहस पर मनन किया। वंकिंग खसरा नम्बर 4172 के हाल खसरा नम्बर 5401 व 5402 वादीगण की खातेदारी की है। वंकिंग खसरा नम्बर 1469/1 रकबा 24-17-0 के हाल खसरा नम्बर 5400, 5400/5669 चरागाह है। वादीगण का कथन है कि हाल खसरा नम्बर 5400/5669 रकबा 0.01 पूर्व में उसकी खातेदारी में था, जिसे हाल राजस्व अभिलेख में चरागाह दर्ज कर दिया गया है। किन्तु पूर्व राजस्व अभिलेख वंकिंग जमाबंदी में भी वादीगण की खातेदारी आराजी में चाह अंकन नहीं है। तहसीलदार नसीराबाद से प्राप्त मौका रिपोर्ट में भी वादीगण की खातेदारी आराजी पर कोई चाह स्थित नहीं है। हाल खसरा नम्बर 5400/5669 चाह का इन्द्राज मौका रिपोर्ट अनुसार सही है। वादीगण ने वाद में संशोधन कर हाल खसरा नम्बर पुराने खसरा नम्बर 4172 के हाल खसरा नम्बर 5401, 5402, 5403, 5413, 5414, 5416 की पूर्व राजस्व नक्शा स्थित में परिवर्तित कर दक्षिण दिशा की गलत लाईन को दुरुस्त करने का कथन किया है किन्तु मौका रिपोर्ट अनुसार वादीगण की खातेदारी आराजी का राजस्व मानचित्र दुरुस्त करने से कितना 45 खसरा नम्बर प्रभावित होंगे। उक्त आराजी के खातेदार वाद में पक्षकार मुर्तिब नहीं है। विधि का सुस्थापित सिद्धान्त है कि राजस्व मानचित्र अथवा किसी भी प्रकार के प्रकरणों में हितबद्ध व्यक्तियों को सुनवाई का अवसर दिये बिना निर्णय पारित किया जाना न्यायोचित नहीं है। वादीगण ने हाल खसरा नम्बर 5401 के आस-पास के समस्त खातेदारों को प्रकरण में पक्षकार नहीं बनाया है। उक्तानुसार पक्षकारों के कुसंयोजन व वाद पत्र में अंकित अस्पष्ट तथ्यों के कारण वादीगण वर्तमान राजस्व मानचित्र में दुरुस्ती के अधिकारी नहीं है।

ग्राम डूंगाजी का बाडिया के हाल खसरा नम्बर 5401 रकबा 0.01 व 5402 रकबा 0.09 की आराजी पर वादीगण का वाद "खारिज" किया जाता है। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे। इस आशय की पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।



उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद

डिक्री व मुकदमें इत्बाई
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद

उनवान

इब्राहिम बनाम राज. सरकार


दावा बाबत :- 88 188 राज. का. अधि० 1955, 131 भू राजस्व अधिनियम 1956

राजस्व मुकदमा नम्बर - 128/2020

पेश करने की दिनांक - 04.03.2020

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिनाल कतई रूबरू देवीलाल यादव (आर. ए. एस)-व हाजिर अभिभाषक सीताराम रावत मुद्दई राज० पैरोकार अभिभाषक मिनजामिन मुदायला पेश हो कर दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि :-

डूंगाजी का बाडिया के हाल खसरा नम्बर 5401 रकबा 0.01 व 5402 रकबा 0.09 की आराजी पर वादीगण का वाद "खारिज" किया जाता है। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे।


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद

खर्चा इस मुकदमें में मय सूद व शरह तक— को सालाना आज की तारीख से यानि वसूली तक को अदा करे।

बअखत दस्तखत व मोहर अदालत के आज दिनांक 29 माह 10 सन् 2024 को जारी की गयी।



मुद्दई


मुदायला

स्टाम्प अरजी दावा
स्टाम्प वकालतनामा
स्टाम्प वजह सबूत
मेहनताना वकील
फीस कमिश्नर
खर्चा गवाहान
बाबत् इजराय हुक्मनामा
मुतफरिक

स्टाम्प वकालतनामा
स्टाम्प अरजी
मेहनताना वकील
खर्चा गवाहान
फीस कमिश्नर
बाबत् इजराय हुक्मनामा
मुतफरिक

मिजान

मिजान


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद